बृज स्मृति प्रन्यास की ओर से आयोजित माधव सेवा सज़्मान समारोह

साध्वी ऋ्तज़्भरा के भाषण के दौरान भाव विभोर श्रोता तो आडवाणी को सुनने के लिए दत्तचित होकर बैठे लोग। सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी तथा केशव आदर्शविद्या मंदिर की ओर खासी-हलचल। माधव सेवा सज़्मान समारोह के चलते यह सब नजारे सुबह से शहरवासियों को किसी बड़े आयोजन का आभास करा रहे थे। दोपहर होते-होते तो लोगों में पूर्व उप प्रधानमंत्री लाल कृष्ण आडवाणी व साध्वी ऋ्तज़्भरा के आगमन को लेकर उत्सुकता बढ़ गई।दोपहर को निर्घारित समय पर विशेष विमान से हवाई पट्टी पर पहुंचे दोनों हस्तियों की एक झलक पाने को आस-पास के लोग बेताब दिखे। हालांकि सुरक्षा व्यवस्था के कारण हवाई पट्टी के पास लोगों के जाने पर पाबंदी रही, मगर लोग घरों की छतों पर चढ़कर उन्हें देखने की कोशिश करने से नहीं चूके। यहां पूरे लवाजमे के साथ आडवाणी व ऋ्तज़्भरा दो नज़्बर रोड स्थित विश्राम स्थल पर कुछ देर ठहरने के बाद अपराह्न तीन बजकर दो मिनट पर समारोह में पहुंचे। इस बीच में समारोह में बज रहे देशभक्ति से ओत-प्रोत गीतों से उनका स्वागत-सत्कार किया गया। स्कूली बच्चों ने बैण्ड से विशेष धुन भी बजाई। एक करीब घंटा ४८ मिनट तक चले कार्यक्रम में आए लोगों का उत्साह देखते बना। पाण्डाल में तिल धरने की भी जगह नहीं बची। कार्यक्रम के दौरान प्रन्यास के महामंत्री राजकुमार मोरवाल ने माधव सेवा सज़्मान का परिचय दिया। आत्माराम जांगिड़ ने शत् शत् नमन माधव चरण में...गीत प्रस्तुत किया।

बृजकिशोर अग्रवाल का परिचय

९ जुलाई १९४१ में बूंदी में जन्मे बृजकिशोर अग्रवाल का कर्मस्थल झुंझुनूं जिला रहा। अग्रवाल ने राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के उत्तर पूर्वी राजस्थान के व्यवस्था प्रमुख एवं झुंझुनूं जिले के संघचालक का पद संभाला। इन्होंने महावीर इंटरनेशनल, झुंझुनूं प्रगति संघ, अग्रवाल समाज एवं तीन महाविद्यालय व १७ विद्यालयों के माध्यम से शिक्षा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में योगदान दिया।

अगुवाई और स्वागत

आडवाणी व साध्वी ऋ्तज़्भरा के विशेष विमान से हवाई पट्टी पर पहुंचने पर पूर्व विधानसभा अध्यक्ष सुमित्रा सिंह तथा पिलानी विधायक सुन्दर लाल समेत भाजपा के कई पदाधिकारयों ने उनकी अगुवाई की। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष दशरथ सिंह शेखावत, सुभाष पूनियां, रामनिरंजन पुरोहित, जगदीश खाजपुरिया, मुकेश दाधीच आदि ने माल्यार्पण व पुष्प गुच्छ भेंटकर उनका स्वागत किया।

इसके बाद वे कार से रोड नज़्बर दो स्थित विश्राम स्थल के लिए रवाना हो गए।

ये रहे उपस्थित

समारोह में पूर्व मंत्री एवं भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष ललित किशोर चतुर्वेदी, पूर्व सांसद रघुवीर सिंह कौशल, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष सुमित्रा सिंह, चूरू सांसद रामसिंह कस्वां, प्रदेश महामंत्री सतीश पूनियां, पिलानी विधायक सुन्दर लाल, सीकर की पूर्व विधायक राजकुमारी शर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष दशरथ सिंह शेखावत, भाजपा पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष संतोष अहलावत, सत्यनारायण गुप्ता, पीएल चतुर्वेदी, जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर के पूर्व कुलपति डॉ.लोकेश शेखावत, सांवर वर्मा, श्याम अग्रवाल, नितिन अग्रवाल, मनीष अग्रवाल समेत अनेक लोग उपस्थित थे।

शेखावाटी का किया जिक्र

आडवाणी ने अपने उद्बोधन में शेखावाटी का कई बार जिक्र किया। उन्होंने कहा कि १४ वर्षकी आयु में संघ से जुडकर वर्ष १९४७ में वे राजस्थान आ गए थे। इस दौरान कईबार शेखावाटी में आना हुआ। स्वामी विवेकानंद व स्वामी दयानंद का भी इस धरा से जुडाव रहा है।

पूर्व उप प्रधानमंत्री व भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी ने कहा कि समाज में कुछ लोग ऐसे हैं जो लेते तो बहुत हैं, लेकिन देते कुछ नहीं। लेने की अपेक्षा देने का संस्कार जितना फैलेगा, उतना ही देश उन्नत होगा। यही बात राजनीति पर लागू होती है। इससे ही राजनीति श्रेष्ठ होगी।

यहां केशव आदर्श विद्या मंदिर में गुरूवार को बृज स्मृति प्रन्यास की ओर से आयोजित माधव सेवा सज़्मान समारोह में करीब २२ मिनट के अपने उद्बोधन में आडवाणी राजनीति से बिल्कुल दूर रहे, लेकिन राजनीति में संस्कार व चरित्र को उन्होंने जरूरी बताया। उन्होंने कहा कि आजादी के ५० वर्ष गुजरने पर देश में स्वर्ण जयंती समारोह तो खूब मना लिए गए, लेकिन समस्याओं क ा समाधान अभी तक नहीं हुआ है। आजादी से लेकर अब तक हम पिछ़डे हुए हैं, दुनिया के अग्रणी देशों में हमारी गिनती तक नहीं है, जो विडज़्बना है। इसका मुज़्य कारण लोगों में चरित्र का अभाव है। उन्होंने पी़डा जताई कि उनके सांसद साथी अपने अधिकार का दुरूपयोग करते हैं। एक पुलिस कांस्टेबल को दोष दिया जाता है कि वह सब्जी वाले को बिना पैसे दिए ही सब्जी ले लेता है, जबकि इस तरह का दुरूपयोग उन्होंने संसद में अपने साथियों को करते हुए देखा है। रेलवे में खाना खाकर पैसे नहीं देने जैसे कई उदाहरण भी उन्होंने गिनाए। उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्व जिला संघचालक बृजकिशोर अग्रवाल के व्यक्तित्व व कृतित्व की सराहना की, वहीं माधव सेवा सज़्मान से नवाजे गए विहिप के पूर्व अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णुहरि डालमिया के व्यक्तित्व पर भी प्रकाश डाला। इससे पहले साध्वी ऋ्तज़्भरा ने अपने चिरपरिचित

अंदाज में कभी श्लोकों, तो कभी कविता व गीतों के माध्यम से देश की वर्तमान स्थिति, संस्क ार निर्माण, हिन्दूत्व, राष्ट्रभक्ति व मां की ममता पर चर्चा की। भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष महेश शर्मा ने कहा कि देश में भू सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की जरूरत है, जिसमें सीमाएं राच्य नहीं, प्रकृति तय करती है। मंच पर पूर्व राच्यपाल नवरंगलाल टीबड़ेवाल, विद्या अग्रवाल, भी मौजूद थे।

पहला माधव सेवा सज़्मान विष्णु हरि डालमिया को

बृज स्मृति प्रन्यास झुंझुनूं की ओर से राष्ट्रीय स्तर पर शुरू किया गया प्रथम माधव सेवा सज़्मान गुरूवार को यहां विहिप के पूर्व अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु हरि डालमिया को दिया गया है। पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी ने चिड़ावा निवासी डालमिया को सज़्मान स्वरूप एक लाख रूपए का चेक व स्मृति चिन्ह प्रदान किया।

राज्य सभा सदस्य एवं भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. महेशचंद शर्मा ने कहा, अमूमन ऐसा होता है कि पुरस्कार जिसकी स्मृति में दिया जाता है, पुरस्कार पर उसी का नाम लग जाता है। लेकिन ऐसा पहली बार है कि किसी कि स्मृति में दिया जाने वाला पुरस्कार किसी दूसरे के नाम से है। स्व. बृजकिशोर अग्रवाल की स्मृति में दिया जाने वाला यह पुरस्कार गुरुजी माधवराव सदाशिवराव गोलवलकर के नाम से है। बृज स्मृति प्रन्यास द्वारा गुरुवार को केशव आदर्श विद्या मंदिर में आयोजित माधव सेवा सज़्मान समारोह में डॉ. शर्मा ने बतौर विशिष्ट अतिथि शिरकत क ी। उन्होंने कहा कि बिना स्वार्थ समाज सेवा करने वाले स्व. अग्रवाल जैसे बिरले ही होते हैं। डॉ. शर्मा ने कहा कि लोकपाल विधेयक मामले को लेकर अन्ना हजारे जब अनशन बैठे तो कहा गया कि उनके अनशन के पीछे बीजेपी का हाथ है। प्रमाण के तौर यह बात सामने आई कि जहां अन्ना अनशन पर बैठे थे उनके ठीक पीछे लगे पर्दे पर भारत माता का चित्र था और लोग भारत माता की जय तथा वंदे मातरम् के नारे लगा रहे थे। डॉ. शर्मा ने कहा कि अन्ना के अनशन के पीछे तो नहीं पर वंदे मातरम् के नारे के पीछे जरूर संघ का हाथ है। इससे पहले कार्यक्रम क ी शुरुआत अतिथियों द्वारा भारत माता, गुरु गोवलवलकर व स्व. बृजकिशोर अग्रवाल के चित्रों के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन से हुई। कार्यक्रम के मुज़्य अतिथि लालकृष्ण आडवाणी थे। डॉ. महेशचंद्र शर्मा, साध्वी ऋतंभरा, पूर्व राज्यपाल नवरंगलाल टीबड़ेवाल, विष्णु हरि डालमिया, स्व. अग्रवाल की धर्मपत्नी विद्या अग्रवाल मंचासीन थे। समारोह में पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी ने कहा कि वे राजस्थान आने का कोई मौका नहीं चूकना चाहते। उन्होंने बताया कि १९४७ से १९५७ तक राजस्थान में बिताए १० साल वे कभी नहीं भूल सकते ज़्योंकि उनका राजनीतिक सफर यहीं से शुरू हुआ था।

माधव सेवा सज़्मान समारोह के बारे में डॉ. महेशचंद शर्मा ने उन्हें बताया। बकौल आडवाणी वे माधव सेवा और विष्णुहरि डालमिया के बारे में तो जानते थे लेकिन स्व. बृजकिशोर अग्रवाल से परिचित नहीं थे। लेकिन जब डॉ. शर्मा ने उन्हें अग्रवाल का जीवन परिचय और आरएसएस के प्रति उनके समर्पण के बारे में बताया तो उनसे रहा नहीं गया। आडवाणी ने कहा कि ऐसे बिरले

ही होते हैं तो समाज सेवा में अपने आप को समर्पित कर देते हैं। साध्वी ऋ्तंभरा ने कहा कि वे करीब दो साल पहले कन्या भूरण हत्या के खिलाफ जागरुकता कार्यक्रम में यहां आई थी। उस कार्यक्रम का संचालन बृजकिशोर अग्रवाल ने किया था। साध्वी ने बताया कि अग्रवाल भाषण शैली सुनकर उन्हें लगा था कि वे विवेकानंद के छोटे भाई है। कार्यक्रम से लौटते वक्त हवाई पट्टी पर पत्रकारों से बात करते हुए साध्वी ऋ्तंभरा ने कहा कि सरकार द्वारा लाए जाने वाले ऐसे विधेयक गलत हैं जिनसे बहुसंज़्यकों का कोई अहित होता है। माधव सेवा सज़्मान पाने वाले विश्व हिंदू परिषद के पूर्व अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णुहरि डालमिया ने कहा कि वे इस सज़्मान को पाकर अपने आप को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हिंदू हमेशा से ही उपेक्षित रहा है लेकिन अब यह उपेक्षा चरम पर है। डालमिया ने बताया कि सरकार ऐसे तथाकथित विधेयक ला रही है जिनसे बहुसंज़्यक समाज का अहित होगा। समारोह में लालकृष्ण आडवाणी, साध्वी ऋ्तंभरा, स्व. बृजकिशोर अग्रवाल की धर्मपत्नी विद्या अग्रवाल व उनके पुत्र मनीष अग्रवाल ने विश्व हिंदू परिषद के पूर्व अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु हरि डालमिया को माधव सेवा सज़्मान प्रदान किया। उन्होंने सज़्मानस्वरूप एक लाख रुपए का चैक, शॉल, श्रीफल व स्मृति चिह्न प्रदान किया गया।

झुंझुनूं से वापस दिल्ली लौटते वक्त लालकृष्ण आडवाणी को पार्षद महेश जीनगर ने विमान में जाकर हाथ से बनाई जूतियां पहनाई। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री ललित किशोर चतुर्वेदी, पूर्व मंत्री रघुवीरसिंह कौशल, शंकरलाल अग्रवाल, सत्यनारायण गुप्ता झालावा़ड, भाजपा की पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष संतोष अहलावत, सतीश पूनियां, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष जगदीश खाजपुरिया, भाजपा नगर अध्यक्ष रामनिरंजन पुरोहित, दादूद्वारा बग़्ड के महामंडलेश्वर अर्जुनदास महाराज, चि.डावा के

गुरु़डध्वजाचार्य महाराज सहित कई हस्तियों ने शिरकत की। इस अवसर पर अलसीसर पंस के पूर्व प्रधान नरेंद्रकुमार, राजेश बाबल, भाजपा अल्पसंज़्यक मोर्चा के पूर्व जिलाध्यक्ष शौकत अली चौहान, बसंत मोरवाल, मुकेश दाधीच, दिनेश धाभाई, एडवोकेट मनोज शर्मा, रुकमणी भै़डा, सुधा पंवार, मंजू चौहान, बग़्ड पालिकाध्यक्ष राजेंद्र शर्मा, नितिन अग्रवाल, सचिन अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, राजकुमार मोरवाल सहित काफी संज़्या में लोग उपस्थित थे।